



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

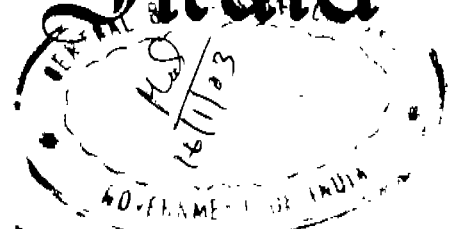
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 340]
No. 340]नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 23, 2002/श्रावण 1, 1924
NEW DELHI, TUESDAY, JULY 23, 2002/SRAVANA 1, 1924

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 2002

सं. 27/2002-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन. टी.)

सा. का. नि. 515(अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की पहली अनुसूची के शीर्ष 87.07 के बजाए, यथास्थिति, उक्त अनुसूची के शीर्ष 87.02, 87.03 या 87.04 के अन्तर्गत आने वाली मोटर यान चैसिसों पर स्वतंत्र बाड़ी निर्माताओं द्वारा निर्मित बाड़ियों पर, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उत्पाद शुल्क अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 के अधीन उत्पाद शुल्क का उद्ग्रहण (जिसके अन्तर्गत उनका अनुद्ग्रहण भी है) की बाबत सामान्यतः एक व्यवस्था विद्यमान थी और ऐसी बाड़ी उत्पाद शुल्क की उस रकम से, जो उक्त व्यवस्था के अनुसार 1 मई, 1991 से प्रारम्भ होने वाली और 28 फरवरी, 2001 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान उद्ग्रहीत की जाती थी, उच्चतर रकम की दायी थी।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देती है कि मोटर यान चैसिसों पर यदि उक्त व्यवस्था न होती तो स्वतंत्र बाड़ी निर्माताओं द्वारा निर्मित उक्त बाड़ियों पर अधिक संदेय उत्पाद शुल्क ऐसी मोटर यान चैसिसों पर स्वतंत्र बाड़ी निर्माताओं द्वारा निर्मित ऐसी बाड़ियों की बाबत संदेय की जानी अपेक्षित नहीं होगी, जिन पर उक्त व्यवस्था के अनुसार, उक्त उत्पाद शुल्क पूर्वोक्त अवधि के दौरान कम उद्ग्रहीत किया गया था।

[फा.सं. 156/6/2000-सी एक्स-4]

सुरक्षा कटियार, अवर सचिव

2326 GI/2002

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd July, 2002

No. 27/2002-CENTRAL EXCISE (N.T.)

G.S.R. 515(E).—Whereas the Central Government is satisfied that a practice was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under Section 3 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the Excise Act), on the bodies built by independent body builders on the motor vehicle chassis, under headings 87.02, 87.03 or 87.04, as the case may be, of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), instead of heading 87.07 of the said Schedule, and that such bodies were liable to a higher amount of duty of excise than what was levied according to the said practice during the period commencing on and from 1st May, 1991 and ending with the 28th February, 2001;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 11C of the Excise Act, the Central Government hereby directs that the duty of excise payable in excess on the said bodies built by independent body builders on the motor vehicle chassis, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such bodies built by independent body builders on the motor vehicle chassis, on which the said duty of excise was short-levied during the aforesaid period in accordance with the said practice.

[F. No. 156/6/2000-CX-4]

SURA KSHA KATTIYAR, Under Secy.

